



CRITERION III
RESEARCH, INNOVATIONS AND EXTENSION
SESSION
2019-20 to 2023-24



SSR

Key Indicator

3.1

Metrics

3.1.1

**GOVT. M. H. COLLEGE OF HOME SCIENCE
AND SCIENCE FOR WOMEN
JABALPUR (M.P.)**



शासकीय मो.ह.गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला, महाविद्यालय

GOVERNMENT M. H. COLLEGE OF HOME SCIENCE & SCIENCE FOR WOMEN

www.gmhcollege.org.in

नैपियर टाउन, जबलपुर - 482002 मध्य प्रदेश, भारत

Napier Town, Jabalpur - 482002 Madhya Pradesh, India

RESEARCH POLICY OF GOVT. M.H. COLLEGE OF HOME SCIENCE AND SCIENCE FOR WOMEN, JABALPUR (M.P.)





www.gmhcollege.org.in

शासकीय मो.ह.गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला, महाविद्यालय

GOVERNMENT M. H. COLLEGE OF HOME SCIENCE & SCIENCE FOR WOMEN

नैपियर टाउन, जबलपुर - 482002 मध्य प्रदेश, भारत

Napier Town, Jabalpur - 482002 Madhya Pradesh, India

3.1.1 The institution's research facilities are frequently updated and there are well defined policy for promotion of research which is uploaded on the institutional website and implemented.

Write description in maximum of 500 words

File Description

- Upload any additional information
- Provide links as Additional Information

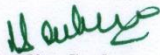
The institute believes in establishing a research culture and environment in the college, thus it thrives to maintain research facilities such as purchase of new lab equipment's, subject specific books and journals. In the present scenario the IT structure is also regularly maintained and better facilities for internet and other e-learning platforms are provided. The institution publishes its own research journal 'Anusandhan' in which research papers from the faculty members are invited. It also maintains linkages with other institutes, industries, hospitals, boards etc. for the conduction of research work. It encourages the students for research fellowship. It has an established code of conduct for research scholars. Research activities are monitored by a Research advisory committee.

The institution's research facilities are frequently updated and there is a well-defined policy for promotion of research which is uploaded on the institutional website and implemented –

1. College adheres to norms, ordinances and regulations formulated by RDVV. College inculcates research awareness amongst the faculty members/students through interaction with eminent scientists from various fields. Institution motivates newly appointed faculties to pursue doctoral/post-doctoral research and undertake Research Projects.
2. To attend and organize of National/International Conferences/Seminars/Webinars/Workshops on frontier research topics is the regular practice. Encouraging publication of research outcomes in reputed National/International Journals. Partial financial assistance, special leave granted to faculty members to attend conferences at national/international level. Infrastructural development, creation of sophisticated instrument laboratories, computational facilities is provided to upgrade research centers.
3. Research and Development cell of the college facilitates and monitors the research activities of the research department and assists the faculty members to identify the various funding agencies and submit proposals to ICSSR, CSIR, MPCST, and DST etc. College has submitted proposal to World Bank for seeking financial assistance to develop laboratories and infrastructure facilities. In Session 2019-20 to 2023-24, PG & Research Department of College Produced 37 Ph.D Scholars, 4 Thesis submitted. In 6 Research Centers 21 Research Guides are working in 6 research labs. IQAC conducted 1 FDP on Research Methodology, 1 International Conference Organized by Zoology and Chemistry Jointly 41 Workshops were attended by Faculty members of college.
4. Curriculum of the college promotes research culture by mandating projects and internships in both UG/PG programmers and also promotes short research communication or research posters on concerning topics.
5. The college provides best facilities with instruments like FTIR, PCR, HPTLC, UV Spectrophotometer, Colorimeter, BOD incubator, Flame photometer etc.

RESEARCH POLICY :

- All eligible faculties should register as research guides.
- Publications by faculty in reputed indexed journals are appreciated.
- Plagiarism is strictly prohibited.
- Post graduate students are given the option to choose for dissertation.
- Each department to apply for at least one research project, with external funding.
- Tie-ups with industries and corporate research in emerging areas and industry relevant areas.
- Papers related to research methodology are incorporated in the curriculum.
- Course work in the Home Science faculty is carried out in the institute.


Dr. Nandita Sarkar
PRINCIPAL
Govt. M.H. College of Home Science &
Government M.H. College of Home
Science and Science for Women
Jabalpur (M.P.)

Promotion of Research facility in College



Promotion of Research facility in College






Board of Studies





Board of Studies



 **GPS Map Camera**

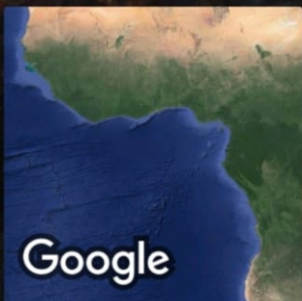
Jabalpur, Madhya Pradesh, India

1212, Home Science College Rd, Napier Town, Jabalpur, Madhya Pradesh
482002, India

Lat 23.161034°

Long 79.9263°

27/07/23 01:11 PM GMT +05:30



Google



GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India
 1212, Home Science College Rd, Napier Town, Jabalpur, Madhya Pradesh 482002, India
 Lat 23.161284°
 Long 79.926213°
 08/02/24 12:04 PM GMT +05:30

Google

Research Performance



GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India
 1212, Home Science College Rd, Napier Town, Jabalpur, Madhya Pradesh 482002, India
 Lat 23.161253°
 Long 79.926175°
 16/05/24 02:37 PM GMT +05:30

Google



GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India
 5W6G+GR6 Dev Book And Steshnri, Govt MH college, Napier Town, Jabalpur, Madhya Pradesh 482002, India
 Lat 23.16128°
 Long 79.926173°
 16/05/24 02:25 PM GMT +05:30

Google



Research Lab Visit



GPS Map Camera

Jabalpur, Madhya Pradesh, India
 1212, Home Science College Rd, Napier Town, Jabalpur, Madhya Pradesh 482002, India
 Lat 23.161284°
 Long 79.926213°
 08/02/24 12:18 PM GMT +05:30

Google



मानव विकास विभाग
 अष्टम मंडल बैठक
 03/08/2024



Research Field Work



Certificate Distribution



Research Training FDP



VISIT Research Institute

फिश एक्वेरियम लगाने का मतलब घर में प्रकृति बसाना



पत्रिका plus रिपोर्टर patrika.com

एक ही जगह ना रखें मछलियां

वक्ताओं ने कहा कि सभी फिश को एक ही जगह ना रखें। कम मछलियों से एक्वेरियम की सजावट करना अच्छा होता है। संयोजक डॉ. साधना केशरवानी ने छात्रों को माइक्रोस्कोपिक स्लाइड, साइंस मॉडल एवं एक्वेरियम बनाने की पद्धति समझाई। उन्होंने कहा कि छात्राओं के लिए यह बेहतर कैरियर साबित हो सकता है। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. नंदिता सरकार, डॉ. अर्जुन शुक्ला, सचिव रश्मि सिंगोरे, डॉ. वर्षा, डॉ. नीतू, डॉ. श्रद्धा खापरे, डॉ. तिलोत्तमा, अमृता, चित्रा मरावी मौजूद रहीं।

जबलपुर. फिश एक्वेरियम सिर्फ होम डेकोरेशन का जरिया नहीं, बल्कि कृत्रिम रूप में घर में प्रकृति को बसाने वाला काम है। घर के एक कोने में रखी फिश, साफ पानी और रंगीन पत्थरों को देखना मानसिक सुकून देता है। यह जानकारी होमसाइंस कॉलेज में जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया एवं नानाजी देशमुख विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में वक्ता डॉ. सोना दुबे ने दी। उन्होंने कहा कि फिश एक्वेरियम लगाने से पहले कुछ बातों पर जरूर विचार करें। इसके लिए जरूरी है कि घर के हिसाब से एक्वेरियम खरीदें, ताकि आप इसे आसानी से रख सकें। दूसरे सत्र में डॉ. नम्रता एवं डॉ. सूजा ने बताया कि नल का पानी एक्वेरियम के लिए सही रहता है। इसके बाद भी इनका पीएच स्तर की जांच की जानी चाहिए।

P. शासकीय होमसाइंस कॉलेज शहर में तितलियों की 70 प्रजाति मिलीं



जबलपुर. होमसाइंस कॉलेज में म्यूजियम मेंटेनेंस एवं तितलियों के संरक्षण विषय पर वर्कशॉप हुई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. अर्जुन शुक्ला और डॉ. श्रद्धा खापरे ने कहा कि कीटों की प्रजाति का तितली सुंदर उदाहरण है। साइबर टैक्नोनोंमी में तितलियों की कई प्रजाति संरक्षित

हो सकती है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. नंदिता सरकार, संयोजक डॉ. साधना केशरवानी ने कहा कि प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना ही मानव की नैसर्गिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर रश्मि सिंगोरे, डॉ. नम्रता, डॉ. वर्षा, डॉ. नीतू, डॉ. तिलोत्तमा, अमृता, चित्रा मरावी मौजूद रहीं।

सुंदर कीट है तितली, साइबर टैक्नोनोंमी से मिलेगी म्यूजियम प्रजातियों की जानकारी

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuratimes.com

जैव विविधता शब्द अब न केवल वैज्ञानिक समुदाय बल्कि आम जनता, उद्योगपति और अर्थशास्त्रियों द्वारा भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाने लगा है। 5 दिवसीय कार्यशाला में दूसरे दिन बुधवार को प्राचार्य डॉ. नंदिता सरकार के आशीर्षक एवं विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. साधना केशरवानी के उद्घोषण से प्रारंभ हुआ। डॉ. साधना ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना ही मानव की नैसर्गिक जिम्मेदारी है एवं प्रकृति का संरक्षण स्वयं के अस्तित्व का संरक्षण है। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्राणीशास्त्र विभाग के वर्ल्ड रिकार्ड्स होल्डर डॉ. अर्जुन शुक्ला रहे। जिन्होंने साइबर टेक्नोनोंमी, म्यूजियम में प्रजातियों के प्रभावों रखरखाव रणनीतियों एवं डिजिटलीकरण पर प्रकाश डाला। डॉ. अर्जुन ने बताया कि वर्गीकरण विज्ञान एक सदियों पुराना अनुशासन है, इसके उपकरण, उपयोगकर्ताओं की विविधता और अनुप्रयोग लगातार विस्तार और विकसित हो रहे हैं। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. श्रद्धा खापरे द्वारा तितलियों के कलेक्शन, प्रिजर्वेशन एवं पहचान कैसे करें, विषय



से छात्राओं को अवगत कराया। डॉ. श्रद्धा ने बताया कि तितलियों में रंदा रिसेप्टर्स नहीं होते पर पर्यावरण के महत्वपूर्ण संकेतक प्रजातियों के रूप में इन्हें हमेशा याद किया जाता है। अब तक इंडिया में लगभग 1041 प्रजाति दर्ज की जा चुकी है। जहाँ जबलपुर क्षेत्र में इनके द्वारा अबतक शोध करने पर लगभग 70 से ज्यादा प्रजातियां दर्ज की जा चुकी है जिनमें कुछ प्रजाति इंडिया व कुछ मध्य प्रदेश के लिए नवी हैं। मंच संचालन सचिव श्रीमती रश्मि सिंगोरे ने किया। कार्यक्रम में डॉ. नम्रता, डॉ. वर्षा, डॉ. नीतू, डॉ. तिलोत्तमा, अमृता, चित्रा मरावी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 160 छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी।

Organized Short Term Course



VISIT Research Institute

Training Handloom



Jabalpur, Madhya Pradesh, India

5W5G+RJQ, Madan Mahal, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India

Lat 23.159872°

Long 79.926738°



Organized National Webinar

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समय की मांग

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर होमसाइंस कॉलेज में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बताया कि इसकी शुरुआत 1950 में जॉन मैकार्थी ने की थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत मशीन को इंसान के समान बौद्धिक क्षमता प्रदान की जाती है जिससे कुशलता पूर्वक परिणाम प्राप्त हो सके। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने एक विस्तृत रूप धारण कर लिया है। विकास के समस्त आयामों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। आयोजन में मेटा, पिट्सबर्ग यूएसए से पधारी साइंटिस्ट डॉ प्रियम पराशर ने उपस्थित जनों को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्वता को ध्यान में रखते हुए शासकीय मोहनलाल हरगोविंद दास गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय जबलपुर के आहार एवं



होमसाइंस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में यूएसए की डॉ प्रियम पाराशर ने रखे विचार

पोषण विभाग तथा गणित एवं कंप्यूटर विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार की उन्होंने सराहना की। इस अवसर पर डॉ अपराजिता ने भी अपने विचार रखे। सेमिनार में रानी दुर्गावती विवि के कुलपति राजेश वर्मा ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारम्भ किया। होमसाइंस महाविद्यालय की प्राचार्य नंदिता सरकार, सेमिनार के संयोजक डॉ स्मिता पाठक तथा डॉ निधि चौबे के मार्गदर्शन में विभागीय सदस्यों द्वारा सेमिनार का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। सेमिनार का संचालन डॉ सुदीप्ता सान्याल तथा श्रीमती विभा श्रीपाल द्वारा किया गया। आभार अपूर्वा सोनी ने किया।



Organized international Conference